

युवा चौपाल ट्रस्ट बाड़मेर

नवम्बर, 2016 की बात है, जब बाड़मेर के शहर गांव निवासी सैनिक प्रेमसिंह सारण मातृभूमि की बलिवेदी पर शहीद हो गये। बाड़मेर से कुछ जाट युवकों ने देशभक्ति के ज्वार में आकर तय किया कि देश के लिये शहीद होने वाले जाबांज के परिवार को आर्थिक सम्बलन दिया जाय। इसी कड़ी में एक ग्रुप में हर सदस्य अपनी इच्छानुसार राशि की घोषणा करते हैं। शहीद के बारहवें पर यह टीम शहर पहुंचकर 171000 रुपये की राशि रोकड़ प्रेमसिंह के पिताजी को सुपुर्द करते हैं।

इसी दरम्यान इन युवाओं के मन में आता है कि बाड़मेर जिले में जरूरतमंदों की आर्थिक सहायता की जाय, जिससे कि जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सम्बलन मिल सके। बीमारी, आगजनी आदि प्राकृतिक आपदाओं के समय गरीब परिवार आर्थिक एवं मानसिक रूप से टूट जाता है, इसलिये आर्थिक रूप से मदद की जानी चाहिये, ये विचार इन युवाओं ने बनाया। इन युवाओं में सरकारी कर्मचारी भी थे और व्यवसायी भी।

अब इन किसी डिमांड पर इस ग्रुप के लोग 1000-500 रुपये एकत्रित कर पीड़ित परिवार तक पहुंचाते। जब यह अभियान सफलतापूर्वक चलने लगा और दानदाताओं का जज्बा और लगन देखी तो मन में विचार आया कि इस वाटसेप ग्रुप को ट्रस्ट के तौर पर पंजीयन करवाकर इस काम को स्थाई किया जाय। इस हेतु 19 जनवरी, 2018 को इसे ट्रस्ट के रूप में पंजीकरण करवाने की शुरुआत की। ट्रस्ट का नाम वाटसेप ग्रुप के नाम पर “युवा चौपाल ट्रस्ट” रखा गया। पैन कार्ड आदि बनाने के बाद मई, 2018 में देना बैंक (वर्तमान में बैंक ऑफ बड़ौदा) में खाता खुलवाया गया।

यह तय किया गया कि ट्रस्ट का प्रत्येक सदस्य सालाना कम से कम 6000 रु और अधिकतम 12000 रु जमा करवाये। लेन-लेन सीधा बैंक के माध्यम से ही किया जा रहा है। बैंक में भी आनलाईन सदस्यों द्वारा ही करवाये जाते हैं और सहायता के तौर पर चेक से धनराशि दी जाती है। इस ट्रस्ट के माध्यम से अग्निपीड़ित, कैंसर, किडनी आदि गम्भीर बीमारियों, प्रसूताओं तथा परिवार में कमाने वाले सदस्य के आकस्मिक देहावसान पर आर्थिक मदद की जाती है।

इस ट्रस्ट में सभी अंशदाता सदस्य जाट समाज के हैं, जबकि सहायता के जाट समाज के अलावा अन्य समाजों के जरूरतमंदों को भी दी जाती है। इसके अलावा शिक्षा, जाट इतिहास के लिये भी सहायता मुहैया करवाई जाती है।

इस ट्रस्ट में करीब 5 साल में 55 लाख रुपये की धनराशि सदस्यों के अंशदान से प्राप्त हुई। इस ट्रस्ट के माध्यम से करीब 45 लाख रुपये की सहायता विभिन्न अवसरों पर जरूरतमंदों को दी जा चुकी है। इनमें एक गरीब परिवार की बच्चियों की शादी में एक लाख रुपये, शिक्षा के क्षेत्र में जरूरतमंद बच्चों को तीन लाख रुपये की सहायता की गई। अग्निपीड़ित, घर में कमाने वाले सदस्य के निधन पर परिवार के पालन-पोषण हेतु, कैंसर, गुर्दा प्रत्यारोपण आदि गम्भीर बीमारियों के इलाज के लिये करीब 112 मामलों में 41 लाख रुपये की सहायता ट्रस्ट कर चुका है। ट्रस्ट जाट समाज के अलावा बाड़मेर में हर जाति-वर्ग, धर्म, क्षेत्र के लोगों को सहायता उपलब्ध करवाता है। ट्रस्ट के किसी सदस्य द्वारा ट्रस्ट में सहायता हेतु आवेदन भेजा जाता है, जिसे ट्रस्ट के दो अन्य सदस्य उसे प्रुव करते हैं। उस गांव के दो मौजिज लोग उस आवेदन की गवाही देते हैं, फिर ट्रस्ट के सदस्य उस आवेदन का भौतिक सत्यापन करते हैं। तत्पश्चात् बैंक के माध्यम से सहायता राशि उपलब्ध करवा दी जाती है।

ट्रष्ट में करीब 225 सदस्य सालाना 6000 से लेकर 12000 रुपये जमा करवाते हैं। ट्रष्ट में बाड़मेर जिले के सभी क्षेत्रों से सदस्य हैं। इन सदस्यों में विधायक, जिला प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, राजस्थान प्रशासनिक सेवा और पुलिस सेवा के अधिकारी, वकील, सीए, प्रधानाचार्य, व्याख्याता, अध्यापक, चिकित्सक, एनआरआई, ठेकेदार, दुकानदार, व्यवसायी, राजस्व विभाग, पंचायत राज विभाग सहित कई क्षेत्रों के लोग जुड़े हुए हैं।

ट्रष्ट अध्यक्ष डालूराम चौधरी के नेतृत्व में ट्रष्ट सामाजिक गतिविधियों में सकारात्मक कार्य कर रहा है।